

मॉडल प्रश्नपत्र - 1

खण्ड 'अ'

1. संसाधनों की दुर्लभता से क्या समझते हैं?
2. बजट प्रतिबंध को परिभाषित करो।
3. एक उदासीनता वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर क्यों होता है?
4. संप्राप्ति का अर्थ लिखो।
5. एक वस्तु की संतुलन कीमत से क्या समझते हैं?
6. वस्तु की मांगी गई मात्रा में वृद्धि तथा वस्तु की मांग में वृद्धि में अंतर बताओ।
7. 'क्या उत्पादन किया जाए?' केन्द्रीय समस्या की व्याख्या एक उचित उदाहरण द्वारा करें।
8. सम-सीमांत उपयोगिता के नियम के आधार पर सिद्ध/साबित करें कि किसी वस्तु की मांग तथा उस वस्तु की कीमत में विपरीत संबंध होता है।
9. एक आंकिक उदाहरण के द्वारा सीमांत लागत से जट्ट का व्युत्पत्ति समझायें।
10. औसत आगम तथा सीमांत आगम में संबंधा बतायें जब :
 - (क) एक समान कीमत पर वस्तु की अधिक मात्रा बेची जाती है।
 - (ख) गिरते हुए कीमत पर वस्तु की अधिक मात्रा बेची जाती है।
11. एक आंकिक उदाहरण के द्वारा MRS की अवधारणा की व्याख्या करें।
12. वस्तु Y की पूर्ति की कीमत में 16% की वृद्धि होने पर उसकी पूर्ति में 40% की वृद्धि होती है। यदि वस्तु Y की कीमत में 8% की कमी हो जाए तो उसकी पूर्ति में होने वाली प्रतिशत कमी ज्ञात करें।
13. समझौता एवं गैर-समझौता अल्पाधिकार में अंतर बताओ। अल्पाधिकार में कमी के बीच अंतःनिर्भरता को समझाओ।

अथवा

निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर ज्ञात करें कि उत्पादन संतुलन में कब और कहाँ होगा?

उत्पादन का स्तर	1	2	3	4	5	6	7
औसत आगम (रु.)	7	7	7	7	7	7	7
कुल लागत (रु.)	8	15	21	26	33	41	50

14. एक उपभोक्ता के संतुलन के लिए डैटै का तथा दोनों वस्तुओं के कीमतों के बीच अनुपात का बराबर होना क्यों आवश्यक है? समझाये।
15. पूर्ण प्रतियोगिता की निम्नलिखित विशेषताओं की निवृत्तौथी की व्याख्या करें :
 - (क) सजातीय या समरूप उत्पाद
 - (ख) फर्मों के स्वतंत्र प्रवेश एवं बहिर्गमन।
16. वस्तु की पूर्ति की गई मात्रा तथा वस्तु की पूर्ति में परिवर्तन के बीच अंतर बताओ।

अथवा

कुल भौतिक उत्पाद तथा सीमांत भौतिक उत्पाद वक्रों की सहायता से परिवर्ती अनुपात नियम की व्याख्या करें।

खण्ड 'ब'

17. समग्र मांग को परिभाषित करें।
18. नियोजित बचत से क्या समझते हैं?
19. छूथ से क्या समझते हैं?
20. भुगतान शेष को परिभाषित करें।
21. सरकारी बजट का अर्थ लिखो।
22. अंतिम वस्तुओं एवं मध्यवर्ती वस्तुओं में अंतर बतायें।
23. मुद्रा की आपूर्ति का अर्थ लिखो। इसे कैसे मापा जाता है?
24. अपूर्ण-रोजगार संतुलन की अवधारणा समझाओ।
25. भुगतान शेष के चालू खाता के घटकों का नाम लिखो।
26. निम्नलिखित आंकड़ों से साधन लागत पर शुद्ध (निवल) मूल्य वर्धित ज्ञात करें :

	रु. (करोड़ में)
(1) अनुदान	40
(2) बिक्री	800
(3) स्थिर पूंजी का उपयोग	30
(4) निर्यात	10
(5) मध्यवर्ती खरीद	500
(6) प्रारंभिक स्टॉक	50
(7) कच्चे माल का आयात	60
(8) अंतिम स्टॉक	20
(9) स्वयं उपयोग हेतु मशीन का क्रय	200

[Ans. NVAFC = 280 cr.]

अथवा

व्यावसायिक बैंक अन्य वित्तीय संस्थाओं से कैसे भिन्न हैं? समझाएँ।

27. सरकार अपनी बजटीय नीति द्वारा आय तथा धन की असमानता को कैसे कम करती है? व्याख्या करें।
28. उचित वक्र के द्वारा स्फीतिक अंतराल की अवधारणा समझाएँ।
29. भुगतान शेष के चालू खाता तथा पूंजीगत खाता में अंतर करें।
30. व्यावसायिक बैंकों द्वारा साख सृजन की प्रक्रिया को एक संख्यात्मक उदाहरण से समझाएँ।

अथवा

राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा तथा प्राथमिक घाटा का अर्थ लिखो। प्रत्यक्ष कर तथा अप्रत्यक्ष कर में अंतर बतायें।

31. किसी एक अर्थव्यवस्था का उपभोग फलन $C = 75 + 0.85Y$ है तथा निवेश व्यय 3500 करोड़ रुपये है, तो निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर ज्ञात करें :

- (क) संतुलन स्तर पर आय
 (ख) संतुलन आय स्तर पर उपभोग व्यय
 (ग) संतुलन आय स्तर पर बचत।
32. सकल घरेलु उत्पाद कल्याण का एक सही सूचक नहीं माना जाता है। क्यों? कारण सहित समझाएँ।

मॉडल प्रश्नपत्र - 3

खण्ड 'अ'

1. संसाधनों के कुशलतम प्रयोग से क्या अभिप्राय है?
2. बाजार संतुलन से क्या समझते हैं?
3. अर्थशास्त्र में लागत को परिभाषित करें।
4. उस मांग वक्र का आकार कैसा होगा जिसकी लोच इकाई हो?
5. उत्पादन फलन को परिभाषित करें।
6. स्पष्ट लागत एवं अस्पष्ट लागत के बीच अंतर बतायें।

अथवा

बाजार मांग को प्रभावित करने वाले दो कारकों का वर्णन करें।

7. जब वस्तु की कीमत 4 रु. प्रति इकाई घटती है तो उसकी मांग मात्रा 20 इकाई रह जाती है। वस्तु की मांग की कीमत लोच (-1) है परिवर्तन से पूर्व वस्तु की कीमत 20 रु. प्रति इकाई पर इसकी मांग मात्रा का परिकलन करें।
8. अल्पाधिकार में मांग वक्र का परिकलन नहीं किया जा सकता है, क्यों?
9. किन परिस्थितियों में PPC बायीं ओर खिसक सकती है?
10. पूर्ति की कीमत लोच मापने की ज्यामितिक विधि का वर्णन करें।
11. मांग वक्र के बायीं ओर खिसकने के किन्हीं दो कारणों का वर्णन करें।
12. उस परिस्थिति में फर्म के कुल संप्राप्ति व सीमांत संप्राप्ति के बीच क्या संबंध होगा जब फर्म कम कीमत पर अधिक मात्रा बच सकता हो?